सीपीएफ

सत्रीय कार्य

जनवरी 2015

एवं

जुलाई 2015 सत्र

हेतु

कुक्कुट पालन में प्रमाणपत्र कार्यक्रम

(सीपीएफ)

कृषि विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
नई दिल्ली–110068

कृषि विद्यापीठ

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय

मैदानगढ़ी, नई दिल्ली–110068

सत्रीय कार्य जमा कराने की अंतिम तिथि

पाठ्यक्रम कोड	पीएससी में सत्रीय कार्य जमा कराने की अंतिम तिथि	
	जनवरी 2015 सत्र	जुलाई 2015 सत्र
ओएलपी 001	28 फरवरी 2015	31 अगस्त 2015
ओएलपीआई 001	13 मार्च 2015	15 सितम्बर 2015
ओएलपीआई 002	27 मार्च 2015	29 सितम्बर 2015

नोट :

- कृपया, अपना सत्रीय कार्य उपरोक्त तिथि के अनुसार अपने अध्ययन केन्द्र/पीएससी में जमा कराए।
- परीक्षा फार्म जमा कराने से पहले (मार्च और सितम्बर में क्रमशः जून और दिसम्बर सत्रांत परीक्षा हेतु), अनिवाार्य है कि आप जिन पाठ्यक्रमों की परीक्षा के लिए आवेदन कर रहे है, उनसे संबंधित सत्रीय कार्य जमा करायें, और कार्यक्रम प्रभारी या अध्ययन केंन्द्र/पीएससी के संयोजक से इसका प्रमाणीकरण करायें।

प्रिय शिक्षार्थी,

''कुक्कुट पालन में प्रमाण पत्र (सीपीएफ) कार्यक्रम'' में आपका स्वागत है।

आशा है कि आपने सीपीएफ कार्यक्रम मार्गदर्शिका को अच्छे से पढ़ लिया होगा। सत्रांत परीक्षा (टीईई) की अधिभारिता - 80% और सतत् मूल्यांकन (सत्रीय कार्य) की 20% होगी। सैद्धांतिक घटक के साथ प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए एक सत्रीय कार्य है अर्थात् कार्यक्रम में सम्मिलित पाठ्यक्रमों (ओएलपी 001, ओएलपीआई 001 और ओएलपीआई 002) के लिए तीन सत्रीय कार्य हैं। प्रत्येक सत्रीय कार्य 50 अंकों का है जो कि अंततः, सैद्धांतिक घटक की 20% अधिभारिता में परिवर्तित होगा।

शिक्षार्थियों को सलाह दी जाती है कि आप सर्वप्रथम अध्ययन सामग्रियों का अध्ययन करें और तत्पश्चात् निर्देशों को ध्यान में रख कर सत्रीय कार्य प्रतिक्रिया तैयार करें। आपकी प्रतिक्रियाएं स्व–अध्ययन उद्देश्यों के लिए प्रदत्त पाठ्यपुस्तक सामग्री/खंडों की ज्यों की त्यों नकल नहीं होनी चाहिए। अपनी सत्रीय कार्य प्रतिक्रियाएं निर्धारित तारीख या इससे पहले तक अपने अध्ययन केंद्र/कार्यक्रम अध्ययन केंद्र (पीएससी) में जमा करा दें। सत्रीय कार्यों का मूल्यांकन अध्ययन केंद्र/पीएससी के परामर्शदाताओं द्वारा किया जायेगा और प्राप्त अंकों की अधिभारिता सत्रांत परीक्षा में प्राप्त अंकों के प्रतिशत में जोड़ दी जायेगी। सत्रांत परीक्षा में बैठने के लिए प्रत्येक शिक्षार्थी को सत्रीय कार्य पूरा करना होगा। इसलिए अपने सत्रीय कार्यों को सजगता से लें और समय पर जमा करायें।

सामान्य निर्देश

1. यदि आप किसी सामान्य निर्देश सत्र की देय तारीख से पहले सत्रीय कार्य जमा नहीं करा पाते तो आपको आगामी सत्रों के सत्रीय कार्य के नये सेट को पूरा करना होगा।
2. अपनी उत्तर पृष्ठिका के पहले पृष्ठ के सबसे ऊपर दाये कोने में अपनी नामांकन संख्या, नाम, पूरा पता और प्रेषण की तारीख लिखें।
3. अपनी उत्तर पृष्ठिका के पहले पृष्ठ के बायें कोने में कार्यक्रम, शीर्षक, पाठ्यक्रम शीर्षक, सत्रीय कार्य कोड, अध्ययन केंद्र कोड के स्थान का उल्लेख करें।

प्रत्येक सत्रीय कार्य के लिए आपकी उत्तर पृष्ठिका के पहले पृष्ठ के सबसे ऊपर का भाग इस तरह होना चाहिएः

पाठ्यक्रम शीर्षक	नामांकन संख्या .....
कार्यक्रम कोड	नाम .....
अध्ययन केंद्र का कोड	पता .....
(स्थान)	.....
तिथि	.....

नोट : उपर्युक्त फार्मेट का अनुसरण कड़ाई से करें।

4. आपकी उत्तर पृष्ठिका हर नज़रिए से पूरी होनी चाहिए। सुनिश्चित करें कि सत्रीय कार्य जमा कराने से पहले आपने सत्रीय कार्यों के सभी प्रश्नों के उत्तर दिए हैं। अधूरे उत्तर खराब अंक देंगे।
5. जहाँ तक संभव हो पाठ्यक्रम सामग्री के प्रासंगिक बिंदुओं का उल्लेख करें और पाठ्य सामग्री की ज्यों की त्यों नकल लिखने की बजाय अपने उत्तर अपने शब्दों में खोल कर लिखें।
6. सत्रीय कार्य करते समय अध्ययन सामग्री की नकल न मारें। देखा गया है कि सत्रीय कार्यों को पूरा करने के लिए अध्ययन सामग्री की नकल मारी जाती है और इसके लिए शून्य अंक मिलेगा।
7. अन्य शिक्षार्थियों की उत्तर पृष्ठिकाओं से नकल न मारें। यदि ऐसा पाया जाता है तो संबद्ध शिक्षार्थियों के सत्रीय कार्यों को खारिज़ कर दिया जाएगा।
8. अपने उत्तर फुलस्केप साइज़ पेपर पर ही लिखें। सामान्य लेखन पत्र, न अधिक मोटे या पतले, ही कारगर होंगे। सत्रीय कार्य अनिवार्यतया हस्तलिखित ही हों। टंकित सत्रीय कार्य स्वीकार्य नहीं होंगे।
9. प्रत्येक सत्रीय कार्य में बाये और 3 इंच का मार्जन और प्रत्येक उत्तर की समाप्ति के बाद 4 पंक्तियों का फासला देना जरूरी है। प्रत्येक उत्तर की प्रश्न संख्या साफ तरीके से लिखें। सत्रीय कार्य करते समय, निर्देशों को सावधानीपूर्वक पढ़ें।
10. आपके अध्ययन केंद्र/पीएससी के संयोजक आपके मूल्यांकित सत्रीय कार्य आपको लौटा देंगे। सत्रीय कार्यों में आपके निष्पादन पर मूल्यांकन की संपूर्ण टिप्पणियाँ वाली मूल्यांकन पृष्ठिका की प्रति भी सम्मिलित होगी। इससे आप भावी सत्रीय कार्यों एवं सत्रांत परीक्षाओं को अधिक बेहतर तरीके से करने के योग्य होंगे।
11. सत्रीय कार्य अपने अध्ययन केंद्र/पीएससी कार्यक्रम प्रभारी/संयोजक को भेजें।

सत्रीय कार्य करने से पहले निर्देशों को सावधानीपूर्वक पढ़ें।

कार्यक्रम की सफलता हेतु हमारी शुभकामनाएं!

सुखद अध्ययन!

कार्यक्रम संयोजक (सीपीएफ)

ओएलपी 001: कुक्कुट पालन का परिचय

कुल अंक : 50

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान है। (5x10=50)

1. निम्नलिखित में से प्रत्येक को एक या दो पंक्तियों में परिभाषित कीजिए।
   i. कुक्कुट
   ii. नस्ल
   iii. लेयर
   iv. निवृत्ति
   v. पुलेट
2. बत्तख पालन लाभप्रद क्यों हैं? किन्हीं पाँच कारकों की पहचान कीजिए।
3. कुक्कुट माँस उत्पादन को प्रभावित करने वाले कारकों का वर्णन कीजिए।
4. मिश्रित पक्षी पालन को परिभाषित कीजिए। कुक्कुट पालन को शामिल करते हुए, किसी एक मिश्रित पक्षी पद्धति का वर्णन कीजिए।
5. अंडा एवं कुक्कुट माँस उत्पादन में सहकारी समितियों की भूमिका का वर्णन कीजिए।
6. निम्नलिखित नस्लों की किसी एक खास विशेषता का उल्लेख कीजिए।
   क. न्यू हैम्मपसशायर
   ख. लेगहॉर्न
   ग. रोड आइलैंड रेड
   घ. खाकी कैम्पबेल
   च. बेल्टसविली व्हाइट
7. बत्तख के अंगों का चित्र बनाइए और इनके नाम लिखिए।
8. मुर्गी के जनन तंत्र का वर्णन कीजिए।
9. कृत्रिम गर्भाधान को परिभाषित कीजिए। इसके फायदे और नुकसान क्या हैं?
10. कुक्कुट की पहचान (Judging) कैसे की जाती है? वर्णन कीजिए।

ओएलपीआई 001: कुक्कुट आवास एवं प्रबंधन

कुल अंक : 50

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान है। (5x10=50)

1. निम्नलिखित को ध्यान में रखते हुए, कुक्कुट गृह की बुनियादी आवश्यकताओं का वर्णन कीजिए।
   क) स्थान
   ख) अभिविन्यास
   ग) लंबाई
   घ) चौड़ाई
   च) ऊँचाई
2. कुक्कुट पालन की डीप लिट्टर पद्धति का वर्णन कीजिए। हमारे देश में इसका प्रयोग आमतौर पर किस किस्म के पक्षियों के लिए किया जाता है? इसके फायदे और नुकसान क्या हैं?
3. बैटरी ब्रूडंर को परिभाषित कीजिए। इसके फायदे और नुकसान क्या हैं?
4. मुर्गी के अंडे के कृत्रिम ऊष्मायन और इसे सेने के लिए आवश्यक विभिन्न दशाओं का वर्णन कीजिए।
5. ब्रूडिंग के दौरान चूज़ों के आराम का आकलन कैसे किया जाता है? रेखाचित्र की सहायता से दर्शाइए।
6. ब्रायलरों और लेयरों की टीकाकरण अनुसूची को लिखिए।
7. संक्रामक बर्सल रोग के बारे में सविस्तार लिखिए।
8. बत्तखों के रहने की जगह को सविस्तार लिखिए।
9. कुक्कुट फार्म के निम्नलिखित रजिस्टरों/रिकार्डों के बारे में लिखिए :
   क) फीड रजिस्टर
   ख) लेयर फार्म रजिस्टर
   ग) ब्रॉयलर फार्म रजिस्टर
   घ) हैचिंग एग्स आउट टर्न रजिस्टर
   च) एग आउट टर्न रजिस्टर
10. निम्नलिखित को परिभाषित कीजिए :
    क) एचडीईपी
    ख) लाभ–अलाभ बिंदु
    ग) उद्यमी
    घ) कैंडलिंग
    च) अंतरंगक्षेपण

ओएलपीआई 002: कुक्कुट दाना एवं दाना खिलाना

कुल अंक : 50

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान है। (5x10=50)

1. पोषक तत्वों को परिभाषित कीजिए। कुक्कुटों के लिए आवश्यक विभिन्न पोषक तत्वों की पहचान कीजिए। किसी एक को सविस्तार लिखिए।
2. निम्न प्रकार के दानों के लिए दो–दो उदाहरण दीजिए :
   क) सामान्य ऊर्जा समृद्ध दाने
   ख) सामान्य पशु प्रोटीन स्त्रोत
   ग) सामान्य वानस्पतिक प्रोटीन स्त्रोत
   घ) अपारंपरिक पशु प्रोटीन स्त्रोत
   च) अपारंपरिक वानस्पतिक प्रोटीन स्त्रोत
3. पक्षियों में पोषण तत्वों की कमी से होने वाले रोगों के किन्हीं दो खास संकेतों/लक्षणों को लिखिए :
   क) लेयरों में विटामिन डी$_3$ की कमी
   ख) चूज़ों में मैगनीज़ की कमी
   ग) लेयरों में कैल्शियम की कमी
   घ) चूज़ों में विटामिन बी$_2$ की कमी
   च) चूज़ों में सेलेनियम की कमी
4. निम्नलिखित को परिभाषित कीजिए :
   क) प्रि–बायोटिक्स
   ख) कॉंकसीडायोस्टैट्स
   ग) एफ्लाटॉक्सिन
   घ) प्रो–बायोटिक्स
   च) प्रतिऑक्सीकारक
5. कुक्कुट दाने में विद्यमान भिन्न–भिन्न अंतर्जात आविषाक्ताओं को सूचीबद्ध कीजिए। किन्हीं दो को सविस्तार लिखिए।
6. संतुलित राशन को परिभाषित कीजिए। आहार सूत्रीकरण हेतु विचारणीय बिंदुओं का वर्णन कीजिए।
7. पियर्सन स्केयर विधि के प्रयोग से मक्का (सीपी =9%) और छिलकारहित सोयाबीन आहार (सीपी =45%) को मिला कर और 22% कच्चा प्रोटीनयुक्त (सीपी) ब्रायलर स्टार्टर राशन तैयार कीजिए।
8. निम्नलिखित में से प्रत्येक को संक्षेप में व्यक्त कीजिए :
   क) ड्राई मैश
   ख) प्रि–मिक्सिंग
   ग) पिसाई

घ) पैलेटिंग

च) बहिर्वेधन

9. लेयरो को दाना खिलाने की प्रावस्था (फेज) फीडिंग विधि का वर्णन कीजिए।

10. मीट– टाइप और एग–टाइप बत्तखों की वृद्धि संबंधी विभिन्न प्रावस्थाएँ क्या हैं? बत्तखों के खान–पान प्रबंधन का वर्णन कीजिए।